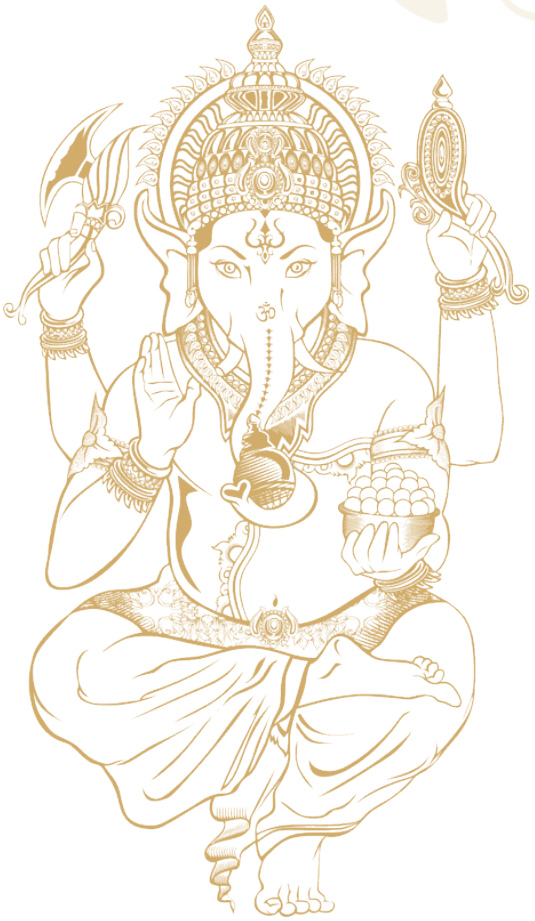

Abishek

Mr.ysodaa

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121589103

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
23/12/1995	जन्म तिथि	02/04/2005
शनिवार	दिन	शनिवार
घंटे 08:00:00	जन्म समय	20:00:00 घंटे
घटी 02:03:28	जन्म समय(घटी)	34:33:54 घटी
India	देश	India
Delhi	स्थान	Delhi
28:39:00 उत्तर	अक्षांश	28:39:00 उत्तर
77:13:00 पूर्व	रेखांश	77:13:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:21:08	स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
07:10:36	सूर्योदय	06:10:26
17:29:25	सूर्यास्त	18:39:30
23:48:10	चित्रपक्षीय अयनांश	23:55:43

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
शुक्र 7वर्ष 11मा 9दि		17:42:42	धनु	लग्न	तुला	07:20:40	शुक्र 0वर्ष 2मा 6दि	
मंगल		06:58:15	धनु	सूर्य	मीन	19:00:55	मंगल	
02/12/2019		21:22:19	धनु	चंद्र	धनु	26:32:38	09/06/2021	
01/12/2026		23:27:11	धनु	मंगल	मक	15:22:16	08/06/2028	
मंगल	29/04/2020	23:07:02	धनु	बुध व	मीन	11:52:58	मंगल	05/11/2021
राहु	17/05/2021	03:39:04	धनु	गुरु व	कन्या	20:10:35	राहु	23/11/2022
गुरु	23/04/2022	07:51:03	मक	शुक्र	मीन	19:38:31	गुरु	30/10/2023
शनि	02/06/2023	25:03:08	कुंभ	शनि	मिथु	26:35:14	शनि	08/12/2024
बुध	29/05/2024	00:15:13	तुला व	राहु व	मीन	28:52:55	बुध	05/12/2025
केतु	25/10/2024	00:15:13	मेष व	केतु व	कन्या	28:52:55	केतु	03/05/2026
शुक्र	26/12/2025	05:03:28	मक	हर्ष	कुंभ	14:49:19	शुक्र	03/07/2027
सूर्य	02/05/2026	00:33:13	मक	नेप	मक	23:04:28	सूर्य	08/11/2027
चन्द्र	01/12/2026	07:50:22	वृश्चिक	प्लूटो व	धनु	00:34:30	चन्द्र	08/06/2028

लग्न-चलित

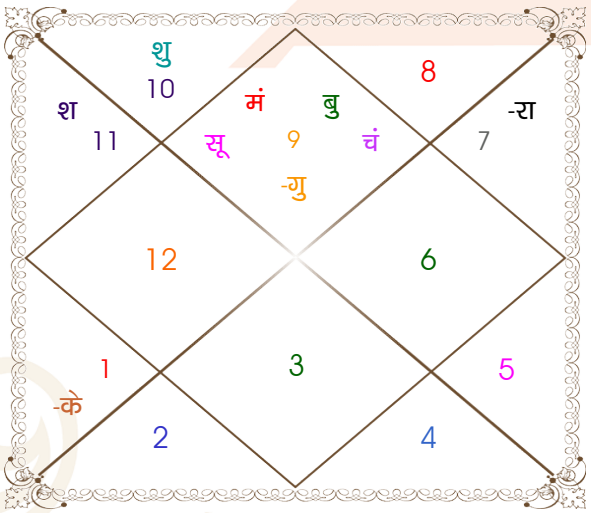

लग्न-चलित

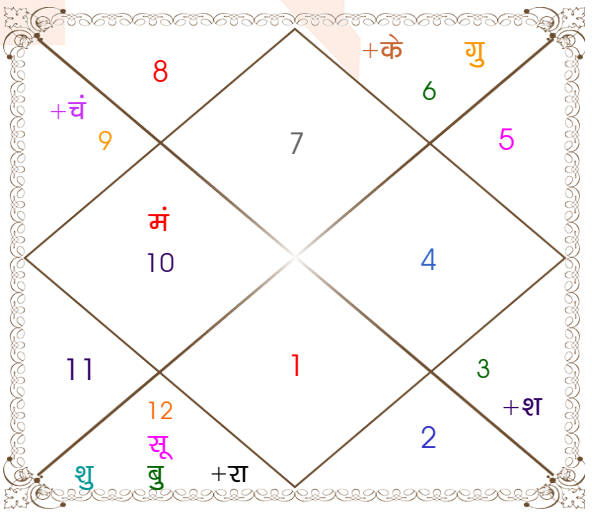

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	क्षत्रिय	क्षत्रिय	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	चतुष्पाद	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	जन्म	जन्म	3	3.00	--	भाग्य
योनि	वानर	वानर	4	4.00	--	यौन विचार
मैत्री	गुरु	गुरु	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	धनु	धनु	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	मध्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	28.00		

।इपींमा का वर्ग मूषक है तथा Mr.ysodaa का वर्ग श्वान है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार ।इपींमा और Mr.ysodaa का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

।इपींमा मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं चन्द्र ।इपींमा कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Mr.ysodaa मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है।

तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल Mr.ysodaa कि कुण्डली में उच्च का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

गुणबाहुल्ये भौमदोषो न विद्यते।।

यदि अधिक गुण मिलते हों तो मंगल दोष नहीं लगता।

क्योंकि अधिक गुण मिलते हैं अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु Mr.ysodaa कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु ।इपेीमा कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

।इपेीमा तथा Mr.ysodaa में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।